

आशा अरु काथि

1521

ASHA ARCHIVES

उत्तममं १० गुणश्राद्धमयनत्वां हन अयाभार्गि रुंमिसत्र दवदात्र गुण्यात्र यत्र
 विवित्रि वात्र वानाय अगुत्र वक्रवदं पीयगु हृष्ट निवमि मत्रच यिय
 गु ॥ गभार्ग अनासि यात्राहा कडांत्वात्र कडात्रि हि हिंउन धनिमहाग
 यां धुगुनडा कस्मि डनायदायक गुविमा ३ यनकदयक नकवसा सर्व
 मनास उमयादवयादु ३ खनह या ३ सजयसा कथन
 नाजक नसहन वादविवादशन १५/१०/१५ गुनिकानस गनयाम

१
प्र सर्वरथेयनास्माहं नमस्तु वस्तु वनश्च यमत्रिगुह्य गार्हसीधधनिनाक
वैलिथस्वाहा॥ धात्र १॥ उवाचिमाधनमस्तु॥
प्रजं दककतामि प्रीत्यु वंसवावन प्रजं स्वाव शुभ्यान् याताक नृयक
पुथियिथिनि मवव उहात्र जिनि हकजिनि वूमनि यनकैकमत्रु
व तत्राय यात्र वात्र मनमित्र कयूत्र कडातहा जिहात्र तिनाय
सावप्रडा कसिडा नितान उमत्रा डानक समताग विद्वत्तनाससतिया

तनास धडा सतन वसामा कनायूडा यवत्राकस स्वातसायश्चनानि
वशयिडा धडा सप्रडा धूरुतडा नायदायकंगु तिका दयकवसाध
गुनिका कसतस्यंगान्तसं कूर्यां रथमदुसर्वरथेयनास धास्यम
निजनन धाया धडा सवतडागा ग धाय ॥ उवाच २ ॥ हतव्यक
महाशयकस्वाहा॥ धा २॥ उमसवसा धनमस्तु॥ उवाच २ ॥ यात्रगत
यात्रसंगतवाधिसवाहा॥ धा २॥ गुतिका धधनमस्तु॥

१३ नमा कन कयिं गल नूड दयाष्ट नूडाष्ट धात्रि त मिष्ट २ सत्र २ सत्वा
 न्माह्य २ मि विष्ट ३ ०० ति मि स मा ह मा यू खा हा ॥ धा २ १ मयू न मिषा
 जय वय कू ह्य क सव ज्ञा व ना स्रु तं यु न सां मि क यून सां सत्य नं जिडा ॥

मिसाहा १५

दिष्टाति विवाथति प्रमम खान् श्रुज मात श्रुम मार्ग स्म ता गा वृ ह मत
 सासि कथया हि व्मा व स कथ ॥ न क वा नू ना क व ना ड नं व ना न क हि क ड

या सि यु ड र त सा भ वा यि डा ॥ १ ॥ मिसा हा ड या हा य ड म स ल ता वा
 ल य ल ता वा १ व र तां य ति ता वा १ न य ति ता वा १ थ ति थ क क दि य र ता
 १ मिसा हा ड या हा य ड म स ल ता वा ॥ ह ल म ३ ख य म ३ क लु म २ थ ति दि
 य र ता ॥ मिसा हा ड या न य ड म स ल ॥ ह ल ता वा १ ख य ता वा १ यि ति मि
 ता वा १ यि म ता वा १ जि व ता वा १ वा कू श्रु म २ थ ति कि न क दि य ॥ १
 मिसा हा ड या न क ड म स ल ॥ ०० म ता वा १ ह ल ता वा १ व ह ल ता वा १ ००
 मू सि या ता वा १ ह व कू या ता वा १ व ह ल कू या ता वा १ ख य व म २ या
 धा व ता वा ४ थ ति श व वा कू पु न ॥ ड म स ल न या ड ॥ आ त्या क या ॥ ह

नमः ५ दिना २ स्वयं २ कय ह नृवर्म १ धृति दिदा ३ अर्धवस कया ३ कृ
 कृ २ याया ॥ यितया ३ मसल ॥ ४० मि मिता वा ॥ नडा हवा वर्म ५ ह
 म ५ स्वा दता वा ३ धृति शवा ॥ वक्र भदी या ३ मसल ॥ विदर्म ४ x ह
 नम ४ x कसूम ४ x यियिम ४ x एम स्वा वर्म २ x कगलिर्म १ x दिग
 का वर्म ४ x नडा साय म ४ x साय लवा कृ माल शवा ॥ मि हिं डी या
 एम स्वा लर्म ३ नडा मय म ३ म व वर्म २ यियिम २ दि हाम २ हवर्म २ क
 नविम १ x सा ख नव कृ दि य शवा ॥ मृत स यि त्या ३ मसल गु व गु पु
 वां कय गुल कवत चि मू कं लं व कस ता वा म कृ स्वा वा श य कं

दाय कं ता न क ॥ या व क स्वा य ता ग ॥ कसूम ५ म व स ५ हवर्म ५ व द
 यिम ५ दि विम ५ यियिम ५ जि हव म ५ लं वर्म ५ नडा हर्म ५ स्व धर्म ५
 हि हर्म ५ व व गु लि ता वा २ धृति या वृ ति स ३ म व दि रु स वा ल
 यित क व स धृ ति डा ह ॥

२४ गु नृ ज्ञा ग्या ॥ २४ न मा सि धि गु व ज्ञा ग्या
 ॥ ३४ दी दी दी दी दी दी दी य ग्या धा व च ना य ज्ञ
 मा यि सं हा ॥ ३४ रु रु स्वा रु धा व ॥ न वि न स्ना व

यष्टी धात्रे का मय दग्म दविय न मस्त्य निष्क ३
 सिंधु जय सनि च न उम न कृ द्द विथ सति उम ३
 नष्टी ३ य मस्त्य निथि का ३ य द्वा ३ य द्वा या य
 आदि न उम न कृ द्द का या ३ य मं गुन धन ३
 जय न या ३ मि सानि च के म द्द न सा म्म थान
 सकि च के म्म य के न ३ वे स ॥ ४ ॥

२ उं की नि की नि स्या दा ॥ धा न र चि क न जा या ३
 उम म न य दा स्या क ना स ॥ २ उं व डि गु नी मान
 मान सा थ सा थ स्या दा ॥ धा न वि व नि जा या द य थ
 म य द्वा स्या क न का का द य के डि नै व द्वा स्या क
 ना स ॥ ३ उं द्द ३ व न का ० गं जा उ य थि न वि व नि
 दि स्या नि या वि म द्द व नि ष्टु वि नि धा न म्म वा द्
 य म्म र्प्या नं र्व जा या ३ मान के ॥

२ उं की नि की नि स्या दा ॥ धा न र चि क न जा या ३
 उम म न य दा स्या क ना स ॥ २ उं व डि गु नी मान
 मान सा थ सा थ स्या दा ॥ धा न वि व नि जा या द य थ
 म य द्वा स्या क न का का द य के डि नै व द्वा स्या क
 ना स ॥ ३ उं द्द ३ व न का ० गं जा उ य थि न वि व नि
 दि स्या नि या वि म द्द व नि ष्टु वि नि धा न म्म वा द्
 य म्म र्प्या नं र्व जा या ३ मान के ॥

ॐ ह्रीं श्रीं मित्रं ध्यात्वा तद् द्यौ न कस्ति स्म रागान् कं मे
 चादृशो नास ॥ इत्थं स च कूटया वा ॥ पून १ केय
 विर्कः काला ४ सध्विः माना ४ ॐ ह्रीं मित्रं ध्ये न च द्यौ
 या सं ह्रीं न स पून कूटया वा ॥ निरा न स कूट
 का ॥ सध्विः चिः ॥ स च कूटया वा ॥ का का जा न म
 मोन

॥ श्वर्गनसचकृष्ट्या ॥ ॥ कृत १ कयचिकं गो न
४ दवदानः गो न ४ विदिसः श्वर्गचकृष्ट्या दं चि
कनषूनैश्च न दिनदा उक्कसियः स्यात्कसिकया
मिहानसकयजाय श्वर्गनस स्यात्कनास ॥ ॥ लिन
धुनिः भायूचिखयतः श्वर्गसमरागकृष्ट्या स्यैव

नाइयउरून्नाससथदाशवियःथननिकभाय
नास॥ ॥२॥ कथविकंमालहवि॥

नास ॥ ॥ २ ॥ कैथरिकां माला द्रुमिष्टुं सा किति

दा यकं रु दा व आ ट ल ॥ २३ ॥ श्री श्री गुरु आकाशा

तागी ना सिन्धु थर्भं गरु जा थर्भं ७४५० वि वा द्या

स या हा का या व स्व ध्या ध्या य कृत्स्न का नृ सि म न

कं अतिमवपविद्या न कः ॥ ॐ अक्षरं नमस्तस्मिन् ॥ ॐ स्वस्ति

कजकिनियलमधिवाससुउ हावककानहं ५ दसहा ३५ अजि

अथः उंसर्व दयतापितामृताय नमः ॥ प्रायागल्लव ५

वाङ्मिसुवनमसकालयायः पापदसुनायः शुभानायाते

शतया के. आकासविषय दथुस॥ के. का नशु॥

^{या}
 श्रुतं यानां ध्यानं त्रयं पूजायां त्रयं लिखितं या उक्तं यत्र भक्त
 तथैव अकुलियाय ध्यातुं तत्रापि यथा नृगलविषदल
 यद्वा दधुसक्तं इत्यादि त्रैलोक्यं अंशं यत्र मसः तत्र मसः त्रयं
 सकलं ध्यातुं कस्य ननु मात्र यत्र कलत्रं ॥ मन्त्रं कुञ्जोत्रं वाः
 लया जाययाय धूलिं ध्यातुं अञ्जनां तां तां कां सः स्वउक्ता

१ हा वा सुगन्धु या पा न ह्या ल पा उ मन्त्रं वा ३ ध्यातुं कालः ३
 अंशं ध्यातुं सद्यः सत्यं श्री धर्मपाल महा काले सत्यं श्री हम्
 यात्र सा त्रितिसत्यं सिद्धि मूर्ति सत्यं लाया ध्यातुं सुकृमात्रं न
 कृत्रया य धूलिं ध्यातुं अञ्जनां सिरयाय ध्यातुं सना कलवा
 त्रैलोक्यं ३ कृमाय नवा न्वविषदल मय दं का त्रयं अकुलिया

इत्युक्तं

१ ससमडयादथस. यनमडल्यतीरुलदथस. ऊमायागु. श्रवणं ऊवम
डल्यतिरुनराय. गथवांवालअववकीरुयाअवां. हृयाथालनिका
नाहा. दयावां. स्वगादेष्टेकनावा. नलयागिलहिलेवा. नलयासकनी
पूयाअवा. नागकाषायावां. ऊअलाहागिस. नलजानाअवा. मअलाहागि
न. नअवाजानाअवां. साथालयजायात्रासिषयाय. थानिधनअ. ऊवया.
नगनस्वानगुहका. नलमकशाकनल. थअमदगुरु. राथअन

तथैतन्मन्त्रं कृत्वा पितृणां कृष्णं च ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 धनं विधिं कृत्वा स्वर्गं धनं विधिं कृत्वा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 गी नी साजा ग्या हुं हुं हुं सा सा धा ॥ श्री धर्मं त्रया नाडी ता
 यमी सा व संमी जनं ती मी सा व सा मी सा ती मी जं व सं ॥ ॐ श्री धा
 ग नृ जी ग्या युं कं वा स वा डा नं वी वी व ज डा गि नि वा वा हुं सि धि
 ग नृ जी ग्या हुं हुं हुं सा सा धा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 स के य के वा म का य मा न मि सा का य हु न म डा सा सा नं या य सं

ASHA ARCHIVES

RECEIVED

1521

ASHA ARCHIVES

1521

1521

[illegible]

३०
रि
अ
वि
३५
२
३६
१८
३७

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

८४

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

२ म हा का न बा

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

५७७

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ

॥ ॥ ॥

[illegible]

२ ना क स आ लि का म

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

श्रीगणेशाय नमः

五

11832

[illegible][illegible]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger entry, featuring black ink on aged paper with red ink used for headings or emphasis.